— ज्ञान का स्व-परप्रकाशक स्वभाव —

(रिद्धि-सिद्धि पुस्तिका के पृष्ठ ९ एवं १० के चौदह बिन्दुओं के सिवाय - अन्य अतिरिक्त बिन्दु :—

१. "मैं धर्मादि द्रव्यों को जानता हूँ" ऐसा मानना अध्यवसान है - इस कथन का क्या आशय है?

२. "स्वपर प्रकाशक शक्ति हमारी, तातैं वचन भेद भ्रम भारी।
ज्ञेय शक्ति दुविधा परगासी निजरूपा पररूपा भासी॥
नाटक समयसार की उक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिये?

३. पूज्य गुरुदेव के प्रवचनों में बार बार आता है कि आत्मा/ज्ञान ज्ञेयसम्बन्धी अपनी पर्याय को जानता है - इस कथन का क्या आशय है

४. "समस्त विश्व के विशेष भावों को जानने रूप से परिणमित - ऐसी आत्मज्ञान-मयी सर्वज्ञत्व शक्ति।" इस परिभाषा में आत्मज्ञानमयी विशेषण क्यों दिया गया है?

५. "जो यह ज्ञानमात्र भाव मैं हूँ वह ज्ञेयों का ज्ञानमात्र ही नहीं जानना चाहिये (परन्तु) ज्ञेयों के आकार से होने वाले ज्ञान की कल्लोलों के रूप में परिणमित होता हुआ, वह ज्ञान-ज्ञेय-ज्ञातामय वस्तुमात्र जानना चाहिये?
समयसार कलश २७१ की इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट करें?

६. सामान्य ज्ञान का आविर्भाव और स्वप्रकाशन में क्या अन्तर है?

७. आबाल गोपाल सबको अनुभूति स्वरूप भगवान आत्मा जानने में आता है - समयसार गा०१७,१८ की टीका के उक्त वाक्य का क्या अभिप्राय है?

८. अवधिज्ञान और मनःपर्ययज्ञान में स्वप्रकाशन किस प्रकार होता है?

९. 'कुछ लोगों का कहना है कि ज्ञान तो आत्मा को ही जानता है तथा पर को नहीं जानता परन्तु पर का प्रतिभास करता है' - इस कथन का क्या उत्तर है?

१०. समयसार कलश १ में "सर्वभावान्तरच्छिदे" कहकर क्या सिद्ध किया गया है?

११. समयसार गाथा २ की टीका में शुद्धात्मा को "अपने आकारों तथा पर के आकारों को प्रकाशित करने की सामर्थ्यवाला होने से समस्त पदार्थों को झलकाने वाली एक रूपता को प्राप्त है" कहकर क्या आशय व्यक्त किया है?

१२. ज्ञान के स्व-पर प्रकाशनपने पर आचार्य अमृतचन्द्र स्वामी ने लघुतत्त्वस्फोट के १३वें अध्याय में क्या घोषणाएँ की हैं?

१३. समयसार गाथा १९ की टीका में स्व-पर प्रकाशकपने की सिद्धि अमृतचन्द्राचार्य ने किस प्रकार की है?

१४. समयसार कलश २२२ तथा २५१ में पं. राजमल्ल जी ने परप्रकाशकपने के विषय में क्या कथन किया है?

१५. लघुतत्त्वस्फोट अध्याय १३, के अंतिम २५वें पद्य में स्वपर प्रकाशक की चर्चा के विषय में क्या सलाह देते हैं?

(संकलयिता - डॉ. उत्तमचन्द जैन, सेवा निवृत्त प्राचार्य, छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश)

Generated by CamScanner from intsig.com